भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1327

14 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

रक्षा व्यय में कमी

1327. श्री मल्लिकार्जुन खरगे :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत पांच वर्षों में कुल सरकारी व्यय के प्रतिशत के रूप में रक्षा क्षेत्र पर कुल कितना व्यय किया गया है ;

(ख) क्या इस अवधि के दौरान इस व्यय प्रतिशत में गिरावट आई है ;

(ग) यदि हां, तो इस गिरावट के क्या कारण हैं ; और

(घ) चीन के साथ सीमा पर बढ़ती शत्रुता को देखते हुए, इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान रक्षा बजट को कम करने के क्या कारण हैं ?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (घ): वित्त वर्ष 2017-18 से केन्द्र सरकार के व्यय (सीजीई) की तुलना में रक्षा व्यय के ब्यौरे निम्नवत हैं :-

(रु. करोड़ में)

वर्ष	रक्षा व्यय	कुल सीजीई	सीजीई के प्रतिशत के रूप में रक्षा व्यय
2017-18 (वास्तविक)	3,79,702	21,41,973	17.73
2018-19 (वास्तविक)	4,03,457	23,15,113	17.43
2019-20 (वास्तविक)	4,52,996	26,86,330	16.86
2020-21 (वास्तविक)	4,85,681	35,09,836	13.84
2021-22 (राजस्व प्राक्कलन)	5,02,884	37,70,000	13.34
2022-23 (बजट प्राक्कलन)	5,25,166	39,44,909	13.31

उपरोक्त आंकड़े प्रदर्शित करते हैं कि यद्यपि केन्द्र सरकार के व्यय की तुलना में रक्षा व्यय के प्रतिशत रूप में अस्थिरताएं हैं, हालांकि रक्षा व्यय में निरपेक्ष रूप से वर्ष दर वर्ष सतत् वृद्धि हुई है ।

वर्ष के दौरान हुए व्यय के आधार पर, लंबित प्रतिबद्ध देयताओं और महत्वपूर्ण / संक्रियात्मक आवश्यक्ताओं, खतरे की आशंका इत्यादि के लिए यदि अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होती है, तो इसकी मांग अनुपूरक / आरई स्तर पर की जाती है । व्यय की प्रगति की समय-समय पर यह सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा की जाती है कि संक्रियात्मक गतिविधियों के लिए आबंटित निधियों का इष्टतम उपयोग किया जा सके ताकि रक्षा सेनाओं की संक्रियात्मक तैयारी के साथ बिना किसी समझौते के तात्कालिक और महत्वपूर्ण क्षमताओं को हासिल किया जा सके ।

*****